श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा नवापारा
जिला – रायपुर (छ.ग.)
मान्यता प्राप्त पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

Arpit

2020-21

Editorial Committee

Editor

Dr. Razia Sultana
Assistant Professor Zoology

Members

Member
Dr. Madhurani Shukla
Assistant Professor Chemistry

Mr. S. R. Vadde
Assistant Professor Commerce

Dr. P K Agrawal
Professor Commerce

Mr. Jitendra Kumar Sinha
Assistant Professor Economics

Mr. Prakaash Jangde
Assistant Professor Political Science

From Principal desk

Dr. Kiran Gajpal

महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों के रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान करती है! आशा है की महाविद्यालय की पत्रिका अर्पित के द्वारा हमारे विद्यार्थियों की नवोदित प्रतिभा को अवसर मिलेगा! समस्त महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ!

PRINCIPAL
Shri Kuleshwar Mahadev
Govt. College, Gobra Nawapara
Dist. Raipur (C.G.)

प्राचार्य

From Editorial Desk…..

The College Magazine team works to bring out the annual official publication of SKM College Nawapara, Raipur.

Each year, our team strives to generate creative content from the student population, work extensively to report on events in and around college. The final publication reflects and encompasses the diversity inherent to the academic and extra-curricular spaces in SKM.

The magazine continues to expand its reach to achieve its vision of being a truly representative student publication. We have recently expanded into the digital world through the inception of our e-magazine, where we try to engage the college community by publishing their creative content regularly, by organizing competitions, and through continued and rapid reporting about college events. The team hopes to build on this ethos just as much during the upcoming academic year.

With best regards

Dr. Razia Sultana,

Editor-Arpit,
Shri Kuleshwar Mahadev Shashkiya Mahavidyalaya,
Nawapara, Raipur, C.G.

Vision

"To become an institution that is known for producing world class professionals, irrespective of their socio-economic status, capable to adapt the fast growing nation and become global leaders"

Mission

- The institution is striving for women empowerment and development of socio-economically backward students
- We aimed to orient the youth towards various sources of employment and entrepreneurship for student, especially in this rural area.
- We aspire to provide at all round personality development of the students through co-curricular and extra-curricular activities.
- We meant to provide the platform to the students by giving them an opportunity to face the challenges of the competitive world, with the utmost utilization of their potential in academic programmes, sports, and other events.

College at a Glance

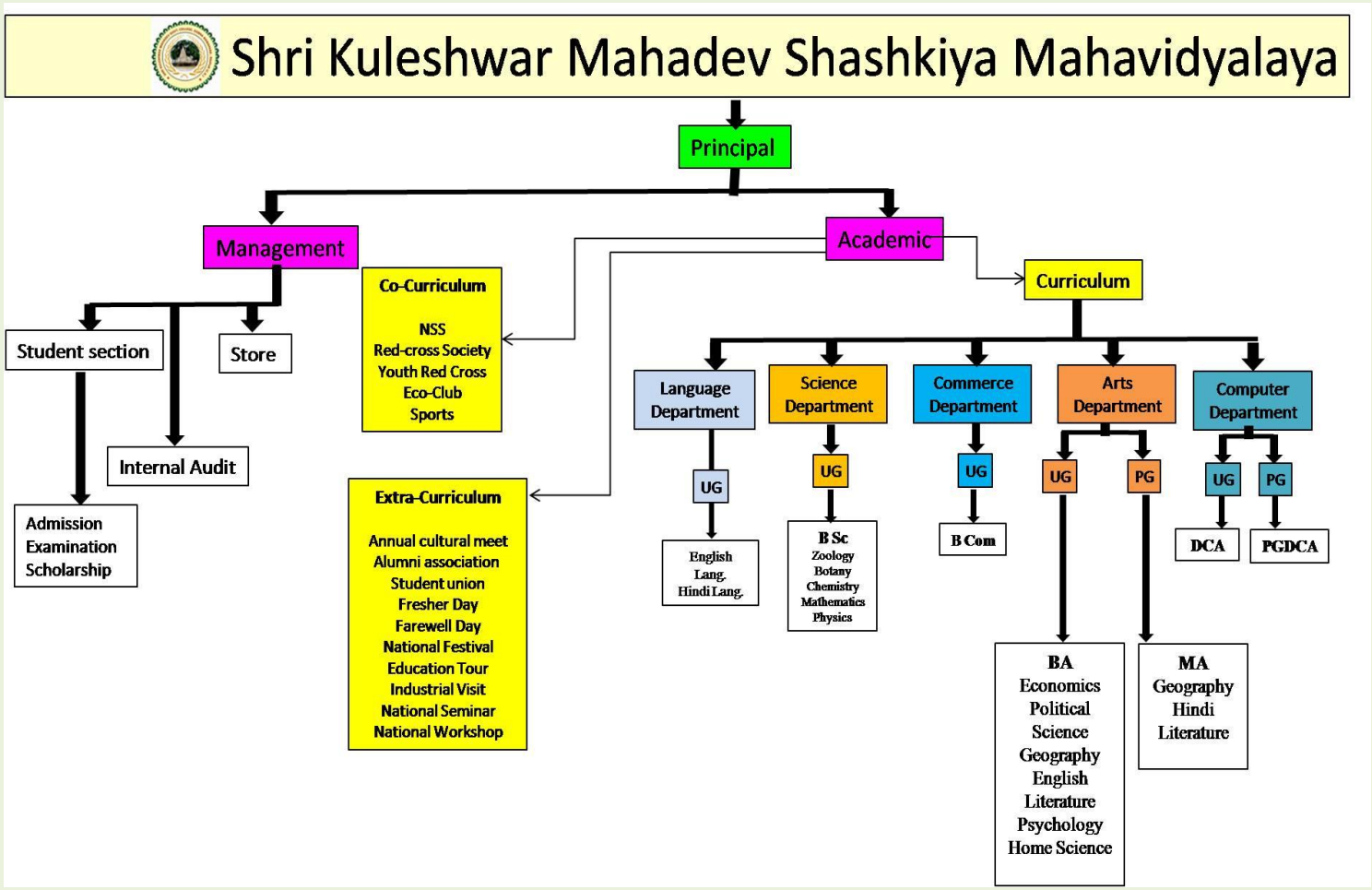

मुस्कान

जिंदगी तो बहुत है
गम बिताने के लिए ।
बस कुछ पल है
मुस्कुराने के लिए ।
रास्ते पे पड़ा पत्थर भी
आकार ले कर भगवान बन जाता है।
फिर हम क्यूं पत्थर है
मुस्कुराने के लिए।
गम का सागर है सामने
पर जाना है पार
मुस्कुराने के लिए
क्यों ढूँढ़ते है किसी को
ग्म दिखाने के लिए
जो दिल में है
उन्हे क्या बताएं कि
क्यूं दिल है बेताब
मुस्कुराने के लिए
बस कुछ पल है
मुस्कुराने के लिए।

नाम –मोनिका साहू
बी. ए. प्रथम वर्ष

सुविचार

अक्सर अपनी झूठी तारिफ सुनकर लोग बर्बाद हो जाना पसंद करते है,
क्योंकि अपनी असलियत सुनते का जिगर हर किसी के पास नही होता है।

जिंदगी में अगर आगे बढ़ना है,तो कभी निर्भर मत रहना गैरों पर,
क्योंकि मंजिल उन्ही को मिलती है जो खड़े होते है अपनें पैरों पर।

कभी उनकी बातों पर ध्यान मत देना जो पीठ पीछें बातें करते हैं।
क्योंकि इसका मतलब यह है कि आप अभी भी उससे दो कदम आगे हैं।

किसी ने क्या खूब कहा है खुद पर भरोसा करनें का हुनर सीख लो,
क्योंकि सहारे कितने भी अच्छे हो एक ना एक दिन वह साथ छोड़ ही देते हैं।

चाहे परिस्थिति कैसी भी हो हमेशा इतने खुश रहो
कि गम भी सोचे,यह मै कहॉ आ गया ।

दोस्तो यह बात हमेशा याद रखना,ये मंजिले बड़ी जिद्दी होती है,
हासिल कहॉ नसीब से होती है,मगर वहॉ तूफान भी हार जाते है।

जहॉ कश्तीयॉ जिद पर होती हैं,यूँ असर डाला है मतलब प्रस्तुती ने दुनिया
पर की हाल भी पुछो तो लोग समझतें है कि जरूर कोई काम होगा ।

नाम– यामिनी साहू
कक्षा – बी. कॉम भाग – प्रथम

एक कदम

ना जाने कौन दे गया ये मौका मुझे, आज फिर वो सफलता का रास्ता मुझे नजर आया ह।

एक कदम आज फिर उस सफलता कि ओर उठाने का मन में ख्याल आया है ना जाने क्या जकड़ा हुआ है इन जंजीरो ने मुझे ।

आज फिर इन जंजीरो को तोड़ने का मन में ख्याल आया है।

कितनी देर चल पाउॅगा उस रास्ते पर मै, ये सोच कर मन मेरा डग मगाया है।

लेकिन एक कदम सफलता कि ओर बढ़ाने का मन में ख्याल आया है।

जब होगा मुश्किलों से सामना तब ना डगमगाने दूंगा ये कदम ।

दूर होगी हर मुश्किले देखकर मेरे बढ़ते हुए कदम ।

चुम लूंगा उस सफलता का शिखर एक दिन क्योंकि आज फिर से मैने सफल होने का मौका मैने फिर पाया है।

ये मौका मै न द्गा खोने ये ख्याल मन में उठ आया है।

आज फिर सफलता कि ओर एक कदम मैने उठाया है।

तब्बू राजपूत
कक्षा बी.एस.सी. III

बेटियां

आई है भाईयों आई है
बेटियों की टोली आई है।।
फुल है बेटियां शान है बेटियां
हर मां बाप की अरमान है बेटियां
बेटा अगर चिराग है तो।

घर की रौशन दान है बेटियां
आई है भाईयों आई है
बेटियों की टोली आई है।।
वो लुप्त हो गई शान ए शौकत
बेटियों की एक चिंगारी आई है।
भारत की रणभूमि में जिसने अपनी जौहर दिखाई है।।
वो एक आग थी ना जाने उसमे क्या बात थी
आज सभ्य समाज के हर क्षेत्र में छाई है।
आई है भाईयों आई है
बेटियों की टोली आई है।।
वह दुर्गा है वह कली है
अन्याय के विरुद्ध वो लाली है।
जिसने शिक्षा और शौर्य पर आवाज उठाई है।।
आई है भाईयों आई है
बेटियों की टोली आई है।।
संसार में ऐसी कोई जीव या वस्तु नहीं जिसकी जननी न हो"
''माँ''आस है

जगदीश
बी. एस सी II

माँ

''माँ'' श्वास है |
''माँ'' टूटती उम्मीदों की विश्वास है।
''माँ'' आकार है.
''माँ'' साकार है |
जो गढती है तरह तरह की मूर्तियाँ |
संसार की वो ऐसी कलाकार
।
''माँ'' संगत है |
जीवन की रंगत है |
''माँ'' प्यासे कुँवे का पानी है।
संतान की पूरी कहानी है
जिनके हाथों जीवन मरण है |
''माँ'' मुफ्त मिली अमूल्य धन है।
दुःखों को मन में छूपा लेती है |
लोरी अच्छे सुरों में गा लेती है।
आगे बढ़ने में प्यार देती है |
बिगडने पर सुधार देती है।
ममता की बड़ी सी आकार है |
सबसे बड़ा उसका ही संस्कार है।
जो गढती है तरह तरह की मूर्तियाँ |
संसार की वो ऐसी कलाकार है ।
अनुभव" का शब्द समंदर थमता है जहाँ...उस पूर्ण विराम को कहते हैं "माँ"

टिकेश्वर चक्रधारी
बी.एस.सी.प्रथम वर्ष

सफलता का असली राज

आज मैं आप सभी को अपनी कहानी के माध्यम से सफलता का असली राज़ बताने जा रहा हूँ। ये बात हैं सन् **2018** की जब मेरा B.Sc. 1st year (Maths) का परिणाम आया था और उस Exam में मैं पूरक आ गया था। इस परिणाम से मैं काफी दुःखी हो गया था। फिर मैंने पूरक परीक्षा की तैयारी शुरू की और दोबारा परीक्षा दी। लेकिन इस बार फिर से मैं पूरक आ गया। इस बार के परीक्षा परिणाम ने मुझे अंदर से पूरी तरह तोड़ दिया तथा मैं तनाव में आ गया। करीब **1** महीने के तनाव के बाद मैने दोबारा परीक्षा की तैयारी शुरू की और इस बार मैने B.Sc. 1st year (Maths) के Exam में टॉप किया था। सीख :- इस कहानी में एक बेहद जरूरी संदेश मिलता है **|** कि जब इंसान के पास जब कोई चारा नहीं होता तो वह उस काम को कर के ही रहता है। जब इंसान के पास वापस लौटने का रास्ता नहीं होता तो सफलता उससे दूर नहीं रहती **|**

चंद्रशेखर सोनी
बी.एस.सी.तृतीय वर्ष (गणित)

मिलेगा भाग्य अवश्य

मिलेगा भाग्य अवश्य तुमको
परिश्रम का जरा समर्पण तो करो
अनगिनत क्षणों में से अपने,
सपनों के नाम कुछ क्षण तो करों।

विशाल पर्वतों के लक्ष्य है जीवन में,
उन्हे भेदकर रज कण कण तो करों,
सुरसा–सी मुंह खोले चुनौतियां है,
सबको स्वीकार तनिक रण तो करों।

प्रतिस्पर्धा छीन न ले सपने तुम्हारे,
अपने हिस्से का तुम हरण तो करो
ज्ञान का समुद्र चहुं ओर भरा है,
इसमें उतरकर कभी भ्रमण तो करों।

शांतिमय कल विश्राम के लिए,
बस आज की रात जागरण तो करों
प्रतीक्षारत है लक्ष्य राह में ,
सही पथ चलना वरण तो करों।

जीत से पहले हार स्वीकार नहीं,
दृढ़ होकर ऐसा प्रण तो करो
ज्ञानदीप जलाने जीवन में,
शुध्द अपना अंतःकरण तो करो
मिलेगा भाग्य अवश्य तुमको,
परिश्रम का जरा समपर्ण तो करों।

दानीराम कहर
बी.काम. तृतीय वर्ष

''ओ कोरोना तू कहां से आया''

ओ कोरोना तू कहां से आया
सब कुछ हो गया पराया पराया
तेरा आना किसी को ना भाया
मम्मी बोले हाथ थो आया ।

घर से बाहर कहीं ना जाए
सखा सहेली सब भूल जाएं
स्कूल टीचर की याद सताएं
नानी का घर हमें बुलाएं
शोपिंग के लिए मन ललचाएं
बर्थडे फीका फीका हो जाए।
छोटे छोटे बच्चे कैसे अपना दिल बहलाए
तेरा भय इतना सताए।

ओ कोरोना तुझको हम बताएंगे
सोशल डिसटेंसिंग अपनाएंगे
गुड सिटिज़न बनकर दिखाएंगे
सरकार के रूल्स निभाएंगे
घर में बैठकर तुझे हराएंगे
और फिर अपना जीवन खुशहाल बनाएंगे।
''कोरोना तुझसे नही डरते हम
हममें है तुझसे लड़ने का दम।''

रूपेश साहू
पी.जी.डी.सी.ए.

''तू एक बार लड़का बनकर तो देख''

लाड़ प्यार से ज्यादा जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया जाता है,
कितनी मुश्किल से कमाते हैं पैसा बचपन से यही सिखाया जाता है ।

तुझे हर घाव हर जख्म को छुपाना पड़ेगा,
कुछ भी हो तुझे दुनिया के सामने मुस्कुराना होगा,
कितना दर्द है इस दिल में इस पर हाथ रखकर तो देख,
तू एक बार लड़का बनकर तो देख।

कि तू मर्द है रोके दिखा नही सकता,
कितना भी टूटा हो दिल तू आंसू बहा नही सकता,
तू दिन रात, सुबह शाम इन ख्वाहिशों की भट्टी में जलकर तो देख,
तू एक बार लड़का बनकर तो देख ।

क्या तू देख पाएगा माता पिता को इस उम्र में काम करते हुए या देख पाएगा बीवी बच्चों को अभाव में पलते हुए।

कि एक के दिल का नूर है तू, किसी की मांग का सिंदूर है तू,
कौन समझेगा किसे बताएगा अरे दिनभर की थकन से चकनाचूर है तू ।
तू लड़का है तू किसी भी हाल मैं रो नही सकता, खिलौना टूटे या दिल तू पलकें भिगो नही सकता

नेकराम साहू
कम्प्यूटर आपरेटर

Life and death

The serenity of the sun's reflection in the calm se,. in its hours of setting reminds me of its unparalleled journey throughout the day like life.

And then the penumbra of the tree flashed before my eyes; and I wonder if this is how life and death actually meet, celebrating their union like long last twin sisters. Their fusion is not antithetical as perceived by us marshals. Rather, if it is in perfect synchronization.

And they complement each other so beautifully that together they carve a way for yet another blissful Journey.

Tabbu Rajput

BSc III Biology

College Activities 2019-21

C:\Users\Razia\Downloads\WhatsApp Imag
4.06.19 PM.jpeg

IMG_20170106_142055

IMG_20170106_142057

IMG_20170106_141923

IMG_20170106_141924

एलुमनी एसोसिएशन

SHOT ON MI A2
MI DUAL CAMERA

CITCON
WELCOMES YOU ALL
CITCON

SHOT ON MI A2
MI DUAL CAMERA
2020/1/23 15:23

SHOT ON MI A2
MI DUAL CAMERA
2020/1/23 15:24

SHOT ON MI A2
MI DUAL CAMERA
2020/1/23 15:23

SHOT ON MI A2
MI DUAL CAMERA
2020/1/23 15:12

SHOT ON MI A2
MI DUAL CAMERA
2020/1/23 12:53

College activity after During COVID Pandemic

classification

INSECT, VECT

Online celebration of World environmental day

Govt. College Gobara Nawapara
BSC- 3rd Year
Name- Priya sahu
Plant- Rosa family Rosaceae
Plant- CURCUMA DOMESTICA
BSC- 3rd Year
Name- Tejaswi Kumar
Plant- CARICA PAPAYA
Guided by
Miss Rukhmani moi mam
Submitted by
Miss Tulsi Tarak
Bsc 3rd(bio)
Shri kuleshwar mahadev govt.collage
gobara nawapara raipur (C.G.)
PLANT-TULSI
BOTNICAL NAME-OCIMUM TENUIFLORUM
NAME-PARUL SAHU
CLASS-BSC 3RD YEAR

AARTI SAHU
AME -KHILESHWARI SAHU
THER NAME - UMESH SAHU
OTANICAL NAME - CHRYSANTHEMUM INDICUM
MINAKSHI SAHU
CLASS- BSC 2nd year
SHRI KULESHWAR MAHADEV COLLAGE GOBRA NAWAPARA
SANTOSHI PATEL
Ficus
Religiosa